वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय

लालगुटवा, एन .एच. 23, गुमला रोड, रांची

त्रैमासिक पत्रिका "अरण्योदय" का लोकापर्ण

दिनांक : 20.04.2022

वन उत्पादकता संस्थान राँची द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक समाचार पत्रिका अरण्योदय का विमोचन दिन. ांक 20.04.2022 को संस्थान के निदेशक डॉ० नितिन कुलकर्णी के हाथों किया गया जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० योगेश्वर मिश्रा, डॉ० शरद तिवारी डा० अनिमेष सिंहा, श्री संजीव कुमार, श्रीमति अंजना सुचिता तिर्की, आइ० एफ० एस०, श्री प्रमोद चन्द्र लकडा आई० एफ० एस०, श्री अंशुमन दास वैज्ञा. निक एवं सभी मुख्य तकनीकी अधिकारी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एवं तकनीकी अधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्रीमति रूबी सुसाना कुजूर के हिन्दी पत्रिका के विमोचन की घोषणा के बाद समस्त अधि ाकारियों ने डॉ० नितिन कुलकर्णी निदेशक को पत्रिका के विमोचन में सहयोग किया।

अपने सम्बोधन में डॉ० कुलकर्णी ने कहा वर्षों की सोच के बाद अनायास ही श्रीमति रूबी सुसाना कुजूर एवं निसार आलम के अथक सहयोग से इतने कम समय में त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो पाया जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र है। इस प्रकाशन से एक साथ दो कार्य संभव हो सकेंगें। एक तो अपनी उपलब्धियों को जनमानस तक पहुँचाना तथा दूसरा हिन्दी में कार्य करने की क्षमता का विकास होना। तत्काल इसे हार्ड कॉपी के रूप में प्रकाशित की गई है। लेकिन भविष्य में इसे ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित करने की योजना है। इसके साथ उन्होंने समस्त वैज्ञा. निकों तकनीकी अधिकारियों से आग्रह किया कि अपनी शोध पत्र, रचना अथवा कोई भी उपयोगी ले ख FRI, ICFRE, मंत्रालय आदि से प्रकाशित होने वाली पत्रिका में भी अवश्य भेजें।

वेबसाइट पर लेख अथवा शोध पत्र आने पर उसे आगे अवश्य भेजने का प्रयास करें जिससे अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके।

डॉ० योगेश्वर मिश्रा ने पत्रिका में अनुसंधान की उपलब्धियों को शामिल करने की सलाह दिया।

अन्त में निदेशक ने श्री एस० एन० वैद्य के परिश्रम की भी सराहना की एवं वन्य जीवों के लिए विशेषज्ञ श्रीमति अंजना सुचिता तिर्की से भी पत्रिका में अधिक–से–अधिक वन्य जीवों पर लेख शोध–पत्र आदि शामिल करने की उम्मीद व्यक्त किया एवं पुनः सबों को पत्रिका विमोचन के लिए बध ाई दिया।

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)